MULYANKAN HASTAK 2016
BEST PRACTICES IN BIHAR

मूल्यांकन हस्तक 2016

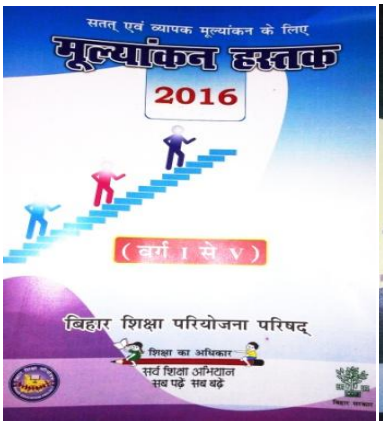

<u>अवधारणा</u>

विभिन्न स्तरों पर किये गए अध्ययन एवं सर्वेक्षण प्रतिवेदनों से यह स्पष्ट हुआ है कि राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में अध्ययनरत वर्ग I से VIII के छात्र-छात्राओं में वर्ग सापेक्ष दक्षता नहीं है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण छात्र-छात्राओं के द्वारा सीखे गए पाठों का सतत् एवं व्यापक मूल्याकंन नहीं होना है। वर्ग सापेक्ष दक्षता प्राप्त किए बगैर अगली कक्षा में प्रोन्नत (Promote) हो जाने के कारण छात्र-छात्राओं में पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु को सीखने में कमी (Learning Deficit) रह जाती है। इस तरह ऊपर की कक्षाओं में जाते-जाते छात्र-छात्राओं में पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु को सीखने की कमियाँ (Learning Deficit) एक साथ एकत्रित (Accumulate) हो जाने के कारण उन्हें पढ़ाई

बोझिल लगने लगती है। छात्र–छात्राओं के इस Learning Deficit को दूर करने के लिए एक कारगर उपाय यह हो सकता है कि उनके द्वारा पढ़े/सीखे गए पाठ/पाठों का मासिक, अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक मूल्यांकन किया जाए एवं Learning Deficit Area की पहचान कर छात्र–छात्राओं को वर्ग सापेक्ष पाठ पूरा कराया जाए। परिषद् का मानना है कि औपचारिक या अनौपचारिक किसी भी पद्धति/रीति से राज्य के अंतर्गत प्रारंभिक स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र–छात्राओं का सर्वांगीण, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए। इतना ही नहीं वरन् उन सभी अध्ययनरत छात्र–छात्राओं का व्यक्तिगत मलूयांकन अभिलेख संधारित किया जाय तथा समय–समय पर उपलब्धि स्तर में होने वाले परिवर्तनों का उल्लेख करते हुए अभिलेख को अद्यतन भी किया जाय।

मूल्यांकन हस्तक 2016 का निर्माण एवं ट्रायल

राज्य स्तर पर SCERT के विषय विशेषज्ञ एवं संकाय सदस्यों के साथ–साथ सभी विषयों के मास्टर प्रशिक्षक/शिक्षक के सहयोग से छह चरणों में कार्यशाला (तीन/चार दिवसीय) के माध्यम से मूल्यांकन हस्तक का निर्माण पूर्ण किया गया है। मूल्यांकन हस्तक 2016 की प्रति परिषद् के **वेबसाईट** www.bepcssa.in के पब्लिकेशन लिंक पर उपलब्ध है।

मूल्यांकन हस्तक का ट्रायल करते हुए मार्च 2016 में राज्य के सभी मध्य विद्यालयों के वर्ग टप्प् के सभी बच्चों का वार्षिक मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त पटना शहरी क्षेत्र के वार्ड संख्या 21 एवं 60 के सभी विद्यालयों के वर्ग I से VIII के सभी बच्चों का मई 2016 में इसी ज्ववस के आधार पर मूल्यांकन (बेसलाईन) किया गया। परिणाम काफी उत्साहवर्द्धक रहें हैं। मूल्यांकन की प्रक्रिया में बच्चों की अपेक्षाकृत अधिक भागीदारी, शिक्षकों पर मूल्यांकन को लेकर सकारात्मक दबाव तथा अभिभावकों में मूल्यांकन के प्रति उत्साह का अनुभव किया गया। अन्य कक्षाओं एवं अन्य विद्यालयों के साथ–साथ स्थानीय समुदाय के द्वारा मूल्यांकन की प्रक्रिया नियमित रूप से प्रारंभ करने की मांग की गई।

मूल्यांकन हस्तक पर उन्मुखीकरण

सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (EE & SSA) जिला गुणवत्ता शिक्षा समन्वयक के साथ पाँच-पाँच मास्टर प्रशिक्षकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण राज्य स्तर पर 22-24 अगस्त, 2016 की अवधि में सम्पन्न किया गया।

सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, प्रखंड साधनसेवी एवं संकुल समन्वयकों का जिला स्तर पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण 29 अगस्त, 2016 से 20 सितम्बर, 2016 की अवधि में सम्पन्न कराया जा चुका है। सभी प्रधानाध्यापकों का प्रखंड स्तर पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण तथा सभी शिक्षकों का संकुल स्तर पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण का कार्यक्रम 30 सितम्बर, 2016 तक पूर्ण होने की संभावना है।

मूल्यांकन हस्तक का उपयोग

मासिक मूल्यांकन-सह-अभ्यास के लिए विद्यालय स्तर पर इसका उपयोग प्रारंभ किया जा चुका है।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम हुआ आयोजित

सासाराम | एक संवाददाता

शहर के शेरशाह सूरी इंटर स्तरीय विद्यालय में मंगलवार को आयोजित उन्मुखीकरण कार्यशाला में भाग लेते अधिकारी। • हिन्दुस्तान

प्रारंभिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के मासिक, अर्द्धवार्षिक, वार्षिक मूल्यांकन के लिए जिलास्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला मंगलवार को आयोजित हुई।

शेरशाह सूरी इंटर स्तरीय विद्यालय में आयोजित कार्यशाला में जिले के सासाराम अनुमंडल के सभी पांच प्रखंड के बीईओ, सहायक लेखापाल, साधनसेवी एवं संकुल संसाधन केंद्र समन्वयक ने भाग लिया।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सासाराम, चेनारी, कोचस, नोखा, शिवसागर प्रखंड के शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया । जिलास्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम के बाद विद्यालय के प्रधानाध्यापकों के लिए प्रखंड स्तर पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। संकुल के सितंबर माह की बैठक में उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया।

प्रशिक्षक रामाशंकर सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह ने कार्यशाला से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराई। बताते चलें कि बुधवार को बिक्रमगंज अनुमंडल के सभी प्रखंडों एवं गुरुवार को डेहरी अनुमंडल के सभी प्रखंडों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम होना है।

मौके पर राजदेव प्रसाद, राम भजन, राम, भीम सिंह, तरन्नुम खानम आदि उपस्थित थी।